15 फरवरी 2026
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

खास होती है डुमरांव की महाशिवरात्रि प्राचीन पांच शिवालय बढ़ा देते हैं महत्व

2

एक नजर

बोलने की शक्ति सिर्फ आपको ही नहीं मिली है : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। बराज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ऊपर टिप्पणी करना भारी पड़ गया। टिप्पणी ऐसी थी कि सुनते ही सीतारमण बुरी तरह भड़क गईं। दरअसल, केंद्रीय बजट में मनोरंजन उद्योग के लिए किए गए प्रावधानों और फिल्म टिकटों पर कर लगाने को लेकर समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने नाराजगी जताई और निर्मला सीतारमण पर तंज कसते हुए उन्हें एक बेहतरीन कहानीकार बता दिया फिर क्या था निर्मला सीतारमण ने भी जोरदार पलटवार कर दिया। सदन में सन्नाटा छा गया। दरअसल, यह टकराव तब शुरू हुआ जब जया बच्चन ने मनोरंजन क्षेत्र के लिए बजट आवंटन के संबंध में सीतारमण के जवाब को बीच में ही रोक दिया। बच्चन ने मनोरंजन उद्योग से संबंधित वित्त मंत्री के स्पष्टीकरण पर सवाल उठाए और टिकटों की बढ़ती कीमतों के कारण बढ़ते करों पर चिंता व्यक्त की। जया बच्चन ने कहा, ह्आपने बहुत अच्छे जवाब दिए हैं। आप एक बेहतरीन कहानीकार हैं। ार के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं।

बांग्लादेश को भारत की जरूरत

नई दिल्ली। बांग्लादेश चुनाव में तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को मिली बंपर जीत के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि, क्या भारत और बांग्लादेश से रिश्ते सुधरेंगे? क्या भारत से बिगड़े रिश्ते सुधारेंगे तारिक रहमान? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि, शेख हसीना के तख्तापटल के बाद से भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में कड़वाहट आई है। कार्यवाहक सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान और चीन से दोस्ती बढ़ाई, लेकिन भारत से रिश्ते बेहतर करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। शेख हसीना की पार्टी पर लगे प्रतिबंध और बिगड़ते रिश्तों के बीच बीएनपी की जीत भारत के लिए राहतभरी खबर है। पीएम मोदी ने बीएनपी के प्रमुख तारिक रहमान को जीत की बधाई दी।

राहुल गांधी चलाते हैं झूठ की फैक्ट्री : अमित शाह

- ट्रेड डील में किसानों, मछुआरों के हितों से समझौता नहीं
- पीयूष गोयल ने राहुल की आर्थिक समझ पर सवाल उठाए

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका से ट्रेड डील को लेकर देश को बेच देने के राहुल गांधी के आरोप पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार करते हुए कहा, 'राहुल की नीति झूठ बोलने, जोर-शोर से झूठ बोलने और उसे दोहराने की है। लेकिन, लोगों ने उनकी झूठ गढ़ने वाली फैक्ट्री को पहचान लिया है।' शाह ने स्पष्ट किया कि ट्रेड डील में किसानों और मछुआरों के हितों से कोई समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के समय आतंकी हमले रूटीन बन गए थे। मोदी सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया। कराइकल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, 'यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ व्यापार समझौता हमारे देश के मछुआरों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होने वाले हैं।' अमित शाह ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे किसानों और पशुपालकों को शत-प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम किया है। मनमोहन सिंह के शासनकाल में किसानों को नुकसान पहुंचाया गया था।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा- राहुल झूठ बोल रहे हैं

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'राहुल गांधी लगातार झूठ बोल रहे हैं। वह झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने की असफल कोशिश कर रहे हैं। वह देशवासियों में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।' शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा, 'मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत और अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील में देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारे एमएसएमई, स्टार्टअप्स, किसानों, कारीगरों और मछुआरों के अधिकारों की रक्षा की गई है।'

पीयूष गोयल ने भी की आलोचना

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल की आलोचना करते हुए राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों पर उनकी पकड़ पर सवाल उठाए और कहा कि वह अपरिपक्व हैं और उन्हें अर्थव्यवस्था की बिल्कुल भी समझ नहीं है। पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ निष्पक्ष और संतुलित ट्रेड डील का बचाव करते हुए कहा कि यह भारत की प्रगति के लिए निर्णायक (गेम चेंजर) साबित होगा। गोयल ने कहा, 'आज तक मुझे यह समझ नहीं आया है कि राहुल गांधी जैसे मूर्ख व्यक्ति को विपक्ष का नेता कैसे नियुक्त किया गया है। कांग्रेस पार्टी यह समझने में असमर्थ है कि अर्थशास्त्र की कोई समझ न रखने वाला, झूठ, छल और ट्वीट के अलावा कुछ भी न देने वाला व्यक्ति सच्चाई से हजारों मील दूर है।'

असम के हाईवे पर वायुसेना के विमान से उतरे पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम मोदी शनिवार को असम दौरे पर पहुंचे। इस दौरान वे वायुसेना के उ-130 एयरक्राफ्ट से डिब्रूगढ़ के मोरन बाइपास स्थित इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर उतरे। हाईवे पर वायुसेना के विमान से उतरने वाले वे देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए। पीएम मोदी पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे, जहां से वे उ-130 विमान के जरिए डिब्रूगढ़ पहुंचे। सुबह करीब 10 बजे उनका विमान मोरन बाइपास पर बने एयरस्ट्रिप पर उतरा। यह एयरस्ट्रिप सैन्य दृष्टि से बेहद अहम मानी जाती है और चीन सीमा से लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मोरन हाईवे पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में राफेल और सुखोई समेत 16 लड़ाकू विमानों ने एरियल शो किया। इस दौरान विमानों ने हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ का प्रदर्शन किया। यह डेमो करीब 30 मिनट तक चला। गौरतलब है कि पिछले तीन महीनों में पीएम मोदी का यह तीसरा असम दौरा है। राज्य में इसी वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में 2016 से लगातार दो बार एनडीए की सरकार रही है, जबकि इससे पहले 2001 से 2016 तक कांग्रेस की सरकार थी।

पांच वर्षों में शहरों में 4 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

चार लाख करोड़ से बदलेगी शहरों की तस्वीर, 25 फीसदी बजट देगी केंद्र सरकार

- बाजार से धन जुटाकर शहरों का विकास होगा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश के शहरों को विकसित भारत की ओर बढ़ाने के लिए बड़ा और महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। साउथ ब्लाक की आखिरी कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक लाख करोड़ रुपये के अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) को मंजूरी दी है। इससे पांच वर्षों में शहरी क्षेत्रों में चार लाख करोड़ रुपये निवेश का रास्ता खुलेगा। महत्वपूर्ण यह कि शहरी विकास अब सिर्फ सरकारी अनुदान पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि बाजार से धन जुटाकर, निजी भागीदारी बढ़ाकर और सुधारों के आधार पर कायाकल्प किया जाएगा। यह पहल बजट में घोषित उस नजरिए को जमीन पर उतारने का प्रयास है, जिसमें शहरों को आर्थिक विकास का केंद्र, रचनात्मक पुनर्विकास और स्वच्छता सुधारों पर जोर दिया गया है। जाहिर है शहरों को केवल बसावट का केंद्र नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश और आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की पहल है। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि योजना के तहत परियोजना की लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार देगी। शर्त है कि कम से कम 50 प्रतिशत धन बाजार से जुटाया जाएगा। इसमें नगरपालिका बॉन्ड, बैंक ऋण और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) जैसे तरीके होंगे। बाकी 25 प्रतिशत राशि राज्य सरकारें, केंद्र शासित प्रदेश या शहरी स्थानीय निकाय जुटाएंगे। इस मॉडल से कुल निवेश चार लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह कोष वित्त वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक लागू रहेगा, जबकि क्रियान्वयन की अवधि 2033-34 तक बढ़ाई जा सकती है।

10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहर शामिल

परियोजनाओं का चयन पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी तरीके से किया जाएगा। यानी जो शहर बेहतर और असरदार प्रस्ताव लाएंगे, उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। परियोजनाओं का मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वे आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्तर पर कितना बदलाव ला सकती हैं। इसमें राजस्व बढ़ाने की क्षमता, निजी निवेश आकर्षित करने की संभावना, रोजगार सृजन, बेहतर सुरक्षा एवं स्वच्छता जैसे पहलुओं को अहम माना जाएगा। योजना में 10 लाख या उससे अधिक आबादी वाले सभी शहर शामिल होंगे। इसके अलावा वे राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियां भी पात्र होंगी जो इस श्रेणी में नहीं आतीं। एक लाख या उससे अधिक आबादी वाले प्रमुख औद्योगिक शहर भी इसमें शामिल होंगे। छोटे और पिछड़े शहरों को भी इस योजना में खास जगह दी गई है। पूर्वोत्तर और पर्वतीय राज्यों के सभी स्थानीय निकायों तथा अन्य राज्यों के एक लाख से कम आबादी वाले शहरों के लिए 5,000 करोड़ रुपये की 'क्रेडिट रिपेमेंट गारंटी स्कीम' मंजूर की गई है।

70 प्रतिशत तक की केंद्रीय गारंटी दी जाएगी

इसके तहत पहली बार लिए जाने वाले ऋण पर सात करोड़ रुपये या ऋण राशि के 70 प्रतिशत तक की केंद्रीय गारंटी दी जाएगी। पहली परियोजना के सफल भुगतान के बाद दूसरी परियोजना के लिए 50 प्रतिशत तक गारंटी मिलेगी। इससे छोटे शहर भी कम से कम 20 से 28 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू कर सकेंगे।यह योजना अनुदान आधारित व्यवस्था से हटकर सुधार और परिणाम आधारित वित्तपोषण की ओर बड़ा बदलाव है। शहरी शासन में डिजिटल सुधार, वित्तीय पारदर्शिता, बेहतर सेवा वितरण, पारगमन आधारित विकास, हरित अवसंरचना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों पर विशेष जोर रहेगा।

चुनाव आयोग के बुलावे पर नहीं आए 5 लाख लोग

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में ड्राफ्ट वोटर्स लिस्ट पर दावों और आपत्तियों पर सुनवाई का दौर आज यानी कि शनिवार शाम को खत्म हो गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, फाइनल वोटर्स लिस्ट से 4.98 लाख और नामों को काटने की प्रक्रिया अब शुरू होगी। जिन नामों को हटाया जाना है, उनकी पहचान हो गई है। ये 4.98 लाख वोटर्स वे हैं जो बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद सुनवाई में शामिल नहीं हुए और इसलिए उन्हें फाइनल वोटर्स लिस्ट से बाहर करने के लायक पाया गया है। हालांकि, शुक्रवार शाम तक सुनवाई में शामिल नहीं होने वाले ऐसे वोटर्स की संख्या 6.25 लाख थी। पश्चिम बंगाल के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर के ऑफिस के एक सोर्स ने कहा- सुनवाई के आखिरी दिन, 1,00,000 से ज्यादा वोटर्स ने सेशन में हिस्सा लिया, जिससे शनिवार शाम को यह आंकड़ा घटकर 4.98 लाख हो गया। इससे पहले, गिनती के दौरान 58 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम हटाए गए थे. जिनमें मरे हुए, डुप्लीकेट और शिफ्ट हुए वोटर्स शामिल थे. वे अयोग्य पाए गए और उन्हें पिछले साल दिसंबर में पब्लिश हुई ड्राफ्ट वोटर्स लिस्ट से हटा दिया गया। सुनवाई के दौरान पहचाने गए और 4.98 लाख नाम अब उस नंबर में जोड़े जाएंगे। हालांकि, हटाए गए नामों का फाइनल आंकड़ा 28 फरवरी को फाइनल वोटर्स लिस्ट के पब्लिश होने के बाद ही साफ होगा। चुनाव आयोग के सोर्स ने कहा- सुनवाई में शामिल हुए वोटर्स द्वारा जमा किए गए सपोर्टिंग आइडेंटिटी डॉक्यूमेंट्स की स्क्रूटनी 21 फरवरी तक जारी रहेगी। 28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट के पब्लिकेशन के एक दिन बाद इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की एक पूरी बेंच स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के बाद की स्थिति का रिव्यू करने के लिए दो दिनों के लिए पश्चिम बंगाल का दौरा करेगी, जिसके बाद इस साल के आखिर में होने वाले जरूरी विधानसभा चुनाव का शेड्यूल अनाउंस होने की उम्मीद है।

खाटू श्यामजी दर्शन को जा रहे पांच लोगों की भीषण हादसे में दर्दनाक मौत

जयपुर। जयपुर के चाकसू क्षेत्र में शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला सहित 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा चाकसू के टिगरिया मोड़ के पास हुआ। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार सवार लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। पुलिस के मुताबिक कार सवार लोग एमपी से आए थे और खाटू श्यामजी के दर्शन को जा रहे थे। तभी चालक को झपकी आने की वजह से हादसा हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही चाकसू थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से गंभीर घायल युवक को अस्पताल भेजा, जिसकी रास्ते में ही मौत हो गई। वहीं, एक महिला सहित चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने सभी शवों को चाकसू के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए है। चाकसू थानाधिकारी मनोहर लाल मेघवाल ने बताया कि हादसा कोटा-जयपुर नेशनल हाईवे पर चाकसू क्षेत्र में टिगरिया मोड़ के पास हुआ। कार सवार लोग मध्य प्रदेश से जयपुर आ रहे थे। तभी सुबह करीब 5:30 बजे कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। हादसे के वक्त कार में एक महिला सहित 5 लोग सवार थे। सभी की भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई है। हादसे में मरने वालों की पहचान रेशमा श्रीवास्तव पत्नी अखिलेश श्रीवास्तव, पीयूष राय पुत्र राजेश राय, रजक राहुल पुत्र बबलू रजक और ड्राइवर अनुराग के रूप में हुई है। वहीं, 5वें मृतक की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। मृतक मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे। ये सभी खाटू श्यामजी के दर्शन के लिए जा रहे थे।

खास होती है डुमरांव की महाशिवरात्रि

प्राचीन पांच शिवालय बढ़ा देते हैं महत्व

केटी न्यूज/डुमरांव

सिद्धाश्रम अर्थात बक्सर। धर्म की नगरी, जिसे बिहार का काशी कहा जाता है। कार्शी अर्थात शिव की नगरी। यह पूरा जिला अति प्राचीन शिव मंदिरों के लिए जगत विख्यात है। अनुमंडल के प्रमुख मंदिरों में पांच शिवमंदिर डुमरांव में हैं। जो यहां की महता को बढ़ा देते हैं। इनमें सबसे प्रमुख व प्रसिद्ध मंदिर ब्रह्मपुर स्थित ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर है। इसके अलावा महरौरा का शिव मंदिर, कचईनिया गांव में कंचनेश्वर महादेव मंदिर, डुमरांव में जंगलीनाथ बाबा का शिव मंदिर व मुंगांव गांव के मुंगेश्वर बाबा प्रमुख हैं। महरौरा व कचइनिया शिवमंदिर में शिवरात्रि के दिन विशेष मेला लगता है।

दो सौ वर्ष पूर्व खुदाई में मिला था महरौरा का शिवलिंग, हल्दी के लेप से होती है मनोकामना पूरी

वैसे तो सावन के महीने में होती है भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा और पूजा में भांग, धतूरा, वेल पत्र, शम्मी पत्र आदि की प्रधानता होती है। लेकिन डुमरांव से सटे व कुशलपुर पंचायत में अनोखे मान्यतावाले महरौरा के शिवमंदिर की परंपरा भी अलग है। यहा फाल्गुन महीने के महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा होती है तथा मनोकामना पूर्ण होने के लिए भक्त शिवलिंग पर हल्दी का लेप लगाते है। मान्यता है कि ऐसा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। मंदिर के पुजारी खेदू मिश्र ने बताया कि दो सौ साल पहले तक महरौरा घने जंगलों से घिरा था। एकबार यज्ञ के लिए जंगल में कुटिया निर्माण के लिए साधुओं द्वारा सफाई करवाई जा रही थी। सफाई के दौरान ही एक खेत में खुदाई के समय यह शिवलिंग मिला था। जिसे मंदिर के स्थान पर रख पूजा शुरू हुआ। बाद में किसी ग्रामीण ने स्वप्न देखा कि भगवान शिव वहा मंदिर बनवाने को कह रहे है। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर तथा विशाल तालाब का निर्माण कराया गया। मान्यता तो यह भी है कि इस तालाब में नहाने से चर्म रोग दूर होता है। आज भी तालाब का जल महादेव को अर्पित किया जाता है। फाल्गुन शिवरात्रि को महरौरा धाम में वार्षिक पूजा होती है तथा एक विशाल मेले का आयोजन भी किया जाता है। पंडित श्री मिश्र की माने तो शिवलिंग पर हल्दी का लेप लगाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है।

ब्रह्मा जी ने स्वयं की थी ब्रह्मेश्वर नाथ की स्थापना मुगल शासक भी नही तोड़ पाए थे मंदिर

बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर प्रबंधन के अध्यक्ष शिव गोपाल पाण्डेय व उपाध्यक्ष डमरू पाण्डेय ने बताया शिवलिंग आपरूपी माना गया है। जिसका व्यख्या शास्त्रों व इतिहास में दर्ज है। मान्यता के अनुसार ब्रह्माजी ने स्वंय यहां पर भगवान भोले नाथ की पूजा अर्चना की थी जिससे भोले नाथ प्रसन्न हो प्रगट हुए थे। उसके बाद ब्रह्माजी ने गांव का निर्माण किया इसलिए इसका नाम ब्रह्मपुर है। मुगलकाल के मध्य में जब मंदिर तोड़ी जा रही थी। उसी दौरान जौनपुर का सुबेदार कासीम अली खां बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर पहुंचा। परन्तु बाबा के प्रभाव के बारे में मंदिर के पुजारियो ने बताया कि तो कासीम ने 24 घंटे का समय दिया कि अगर मंदिर का दरवाजा पुरब से पश्चिम हो जायेगा तो छोड़ देंगे। उसने मंदिर के चारों तरफ सेना का कडी पहरा भी लगा दिया था। लेकिन सुबह में उसके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा क्योंकि रातों-रात मंदिर का गेट पश्चिम दिशा में हो गया था। इसके बाद कासीम इसे बाबा का चमत्कार मान छोड़ कर चला गया। वास्तुशास्त्र के अनुसार मंदिर का मुख्य गेट पश्चिम की तरफ नहीं होता है। परन्तु ब्रह्मपुर शिवमंदिर का मुख्य दरवाजा आज भी पश्चिम दिशा में ही है। बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर में यूपी-बिहार के विभिन्न हिस्सो से जलाभिषेक करने के लिए लाखों श्राद्धालु आते है। आधी रात से मंदिर के प्रवेश द्वार दर्शनार्थियों के लिए खोल दिए जाते है। श्रद्धालु ब्रह्म सरोवर में स्नान कर बाबा को जल चढ़ाते है।

मूंग के आकृति के कारण नाम पड़ा मुंगेश्वरनाथ

अनुमंडल मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर स्थित मुंगाव का मुंगेश्वरधाम की छटा व मान्यता भी कम निराली नहीं है। यहा के शिवलिंग का आकार मूंग की तरह है। यही कारण है कि मंदिर का नाम मुंगेश्वरधाम पड़ा। मंदिर के पुजारी रामाशंकर दूबे ने बताया कि आज जहा मुंगेश्वरधाम का शिवमंदिर है वहा डेढ़ सौ साल पहले मूंग की आकृति का शिवलिंग अपने आप प्रकट हुआ था। ग्रामीणों ने जमीन के नीचे शिवलिंग देख उसे उपर करना चाहा। लेकिन जब ग्रामीण शिवलिंग की खुदाई करने लगे तो लिंग का आधार चौड़ा होते गया तथा खुदाई करने में ग्रामीण सफल नहीं हुए। तब गड्ढें में ही लिंग को छोड़ वहा मंदिर बनवाया गया। यहा पूजा पाठ करने वालों की मनोकामना मुंगेश्वरनाथ पूरी करते है। हर साल महाशिवरात्रि पर यह मंदिर शिवभक्तों के आकर्षण का केन्द्र रहता है।

जंगलीनाथ के नाम मात्र से भक्तों का होता है दुखों का नाश

जीवन की जटिलताएं जब इंसान को परेशान कर देती हैं और संकटों से उबरने का कोई उपाय नहीं सूझता, तो हताश लोगों के कदम अनायास ही जंगलीनाथ महादेव मंदिर की ओर चल पड़ते हैं। ऐसी मान्यता है कि मंदिर में सच्चे मन से आराधना करने वाले भक्तों व दीन-दुखियों का बाबा दुख दूर करते हैं। मंदिर में आज भी सुबह से शाम तक भक्तों के आने जाने का क्रम चलता रहता है। भक्त राम अवतार सिंह बताते हैं कि वर्षों पहले यह इलाका घना जंगल था। उस वक्त संत दानी बाबा जंगल में भगवान की आराधना करते थे। भगवान शिव ने संत को शिवलिंग होने का स्वप्न दिए। शिवलिंग की स्थापना कर पूजा पाठ शुरू हो गया। घने जंगल के बीच शिवलिंग होने के कारण इन्हें जंगली महादेव के रुप में प्रसिद्धि मिली। कहा जाता है कि दानी बाबा हर दिन सौ गायों के दूध से शिवलिंग का अभिषेक करते थे। उनके निधन के बाद डुमरांव राज परिवार ने मंदिर के लिए चार बीघा जमीन देकर मंदिर निर्माण का कार्य शुरू कराया था। लेकिन निर्माण के दौरान बाधाएं आने लगी। अंत में निर्माण कार्य रोकना पड़ा था। पुराने लोगों का कहना है कि उस वक्त भगवान शिव ने महाराज को स्वप्न दिया कि मेरे इजाजत के बगैर कोई काम नहीं हो सकता। हुआ ऐसा ही, निर्माण कार्य बंद कर भगवान शिव की आराधना शुरू हुई। जब भगवान शिव की इजाजत मिली, तो डुमरांव राज परिवार ने भव्य मंदिर का निर्माण कराया।

कांव नदी के रमणीक तट पर स्थित है कंचनेश्वर धाम

कांव नदी के रमणीक तट तथा कंचन वन में स्थित होने के कारण कचइनियां के प्राचीन (बुढ़वा शिवमंदिर) को कंचनेश्वरधाम के नाम से जाना जाता है। यहा करीब पांच सौ सालों से शिवलिंग स्वतः प्रकट हुआ था। लेकिन घने जंगल में होने के कारण कोई पूजा अर्चना करने नहीं जाता था। तब कलकल बहती कांव नदी की विशाल जलधारा खुद कंचनेश्वर के पाव पखारती थी। कहा जाता है कि 19 वीं शदी के अंतिम दशक में कचइनियां गांव में एक मौनिया बाबा आए थे। उन्होंने शिवलिंग में चमत्कारिक गुण देखा तथा प्रत्यक्ष महादेव के होने का अनुभव होने पर उन्होंने गांव वालों को शिवलिंग का महत्व समझाया तथा वहा मंदिर बनाने का सुझाव दिया। इसके बाद घने जंगलों के बीच कंचनेश्वर का विशाल मंदिर बनवाया गया। इस जगह की महता इस कारण भी बढ़ जाती है। कि भू-दान आंदोलन के प्रणेता संत विनोवा भावे ने इसे अपना कर्मस्थली बनाया था तो धर्म सम्राट करपात्री जी महाराज ने यहा आधा दर्जन से अधिक यज्ञ का आयोजन किया था। मंदिर परिसर में स्थित वेलवृक्ष के नीचे श्री प्राप्ति तथा मनोकामना सिद्धि के लिए साधक तपस्या भी करते है। कुछ साल पहले कंचनेश्वरधाम की महिमा से प्रभावित हो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी यहा पूजा अर्चना करने आए थे। हर साल फाल्गुन महीने के महाशिवरात्रि के दिन मंदिर का वार्षिक पूजा आयोजित किया जाता है। जिसमें अनुमंडल सहित जिलेभर व पड़ोसी जिला रोहतास से भी श्रद्धालु पहुंचते है। इस बार भी पूर्व संध्या पर मंदिर में अखंड कीर्तन शुरू हो गया है।

वन संरक्षण में पंचायतों की भूमिका बढ़ी, प्रशिक्षण में मिले नए अधिकारों की जानकारी

राजपुर। प्रखंड सभा कक्ष में बीपीआरओ अभिषेक पाठक के नेतृत्व में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन पंचायत प्रतिनिधियों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े अधिकारों और जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी गई। जिला पंचायत संसाधन केंद्र एवं पंचायतीराज विभाग की पहल पर आयोजित इस प्रशिक्षण में मुखिया एवं कार्यपालक सहायकों ने भाग लिया। प्रशिक्षकों ओमप्रकाश राम, दिनेश कुमार सिन्हा और धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि अब पंचायतों की भूमिका केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वनों की देखरेख और संरक्षण की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई है। इस संदर्भ में वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रावधानों की विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि अधिनियम के तहत वन क्षेत्रों में निवास करने वाले अनुसूचित जनजातियों को विशेष अधिकार दिए गए हैं और पंचायतों को उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करनी होगी।

बदलते मौसम में सेहत ही ढाल, नियमित दिनचर्या और व्यायाम से रखें हड्डियां मजबूत : डा. बिरेन्द्र राम

- **अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव के चिकित्सक डॉ. बिरेन्द्र राम की सलाह स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन**

केटी न्यूज/डुमरांव

मौसम का बदलता मिजाज केवल तापमान में उतार-चढ़ाव नहीं लाता, बल्कि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता पर भी असर डालता है। ऐसे संक्रमण काल में सर्दी-खांसी, बुखार, जोड़ों के दर्द और हड्डियों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ती हैं। इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है, नियमित दिनचर्या और प्रतिदिन व्यायाम। यह कहना है डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बिरेन्द्र राम का। शनिवार को अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव में मरीजों का इलाज करने के बाद विशेष

बातचीत में डॉ. राम ने कहा कि बदलते मौसम में शरीर को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। यदि हम समय पर सोने-जागने, संतुलित आहार लेने और नियमित व्यायाम करने की आदत डाल लें तो कई बीमारियों से सहज रूप से बचा जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से हड्डियों की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि कसरत केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि हर आयु वर्ग के लोगों के लिए जरूरी है। नियमित हल्का व्यायाम, तेज चाल से चलना, सूर्य नमस्कार या स्ट्रेचिंग जैसी गतिविधियां हड्डियों को मजबूत बनाती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत देती हैं। उन्होंने बताया कि निष्क्रिय जीवनशैली हड्डियों को कमजोर करती है, जिससे आगे चलकर ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी समस्याएं जन्म ले सकती हैं। डॉ. राम ने खान-पान को भी स्वास्थ्य की नींव बताया। उन्होंने सलाह दी कि ताजा, पौष्टिक और संतुलित भोजन को प्राथमिकता दें। दूध, दही, हरी सब्जियां, दालें और मौसमी फल शरीर को आवश्यक कैल्शियम और विटामिन प्रदान करते हैं। वहीं फास्ट फूड और अत्यधिक मसालेदार भोजन से परहेज करने की जरूरत है, क्योंकि इसका असर केवल पेट तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे शरीर पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब मौसम में परिवर्तन हो रहा हो, तब शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए पर्याप्त पानी पीना, स्वच्छता का ध्यान रखना और नियमित स्वास्थ्य जांच भी लाभकारी है। डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों के बीच डॉ. राम खासे लोकप्रिय हैं। वे अपने सौम्य व्यवहार और सरल भाषा में समझाने की शैली के लिए जाने जाते हैं। मरीजों को वे केवल दवा देने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि जीवनशैली में सुधार की सलाह भी देते हैं। उनका मानना है कि दवा से अधिक असर नियमित दिनचर्या और संतुलित जीवनशैली का होता है। अंत में उन्होंने कहा, ह्यस्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। यदि हम अपनी दिनचर्या सुधार लें और रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें, तो न केवल हड्डियां मजबूत रहेंगी, बल्कि संपूर्ण शरीर स्वस्थ रहेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के मंच पर डुमरांव की बेटी का दमखम, 15 राज्यों को पीछे छोड़ नूरी बनीं अव्वल

- **तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में आशुभाषण में प्रथम स्थान, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर रखा प्रभावशाली पक्ष**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की गलियों से उठी एक आवाज ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी गूंज दर्ज कराई है। सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आशुभाषण प्रतियोगिता के दौरान जब नूरी ने ह्यराष्ट्र निर्माण में एनएसएस की भूमिकाह्व विषय पर अपने विचार रखे, तो सभागार देर तक तालियों से गूंजता रहा। 15 राज्यों के 210 प्रतिभागियों के बीच उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त कर बिहार को गौरवान्वित किया।

4 से 10 फरवरी तक आयोजित यह शिविर तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की मेजबानी में संपन्न हुआ। विविध वेशभूषाओं और संस्कृतियों से सजे प्रतिभागियों के बीच नूरी की तार्किक सोच, स्पष्ट उच्चारण और आत्मविश्वास ने निर्णायकों को प्रभावित किया। निर्णायक मंडल ने उनकी विषय की गहराई और प्रस्तुति शैली को उत्कृष्ट बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री सैय्यद शाहनवाज हुसैन, पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश सहित कई अतिथियों ने नूरी को सम्मानित करते हुए कहा कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं अब राष्ट्रीय पहचान बना रही हैं।

शिविर के दौरान प्रतिभागियों को ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण भी कराया गया। नूरी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के अवशेष और मंदार पर्वत का दौरा कर भारत की ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को नजदीक से महसूस किया।

पुराना थाना निवासी इरफान अहमद और सदरुन निसा की पुत्री नूरी पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। परिवार और शिक्षकों का कहना है कि उनकी सफलता निरंतर अभ्यास, अनुशासन और सेवा भाव का परिणाम है।

नूरी की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि यह संदेश भी है कि अवसर मिलने पर छोटे शहरों की बेटियां भी राष्ट्रीय विमर्श की धुरी बन सकती हैं। डुमरांव की इस बेटी ने साबित कर दिया है कि बुलंद इरादों के सामने कोई सीमा बड़ी नहीं होती।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, बेलवानी मोड़, डुमरॉव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

SANGAM SUPER SPECIALTY HOSPITAL
संगम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
परामर्श शुल्क मात्र ₹ 1/-
जनरल फिजिशियन
स्त्री रोग विशेषज्ञ
जनरल व गेस्ट्रो सर्जरी
बाल रोग विशेषज्ञ
नाक, कान, गला विशेषज्ञ
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
न्यूरो फिजिशियन व सर्जरी
हृदय रोग विशेषज्ञ
ओनको सर्जरी (कैंसर)
यूरोलॉजी सर्जरी
फिजियो थेरेपी सेन्टर
पैथोलॉजी
Add.: 53/2, Avadhpuri Colony, Khargapur, Gomti Nagar,
Lucknow - 226010 | Email : Sangamhospitals2025@gamil.com
Mob.: 9956026260, 9044872872

बक्सर सदर विधायक से मिले आईईएसएम के पदाधिकारी, पूर्व सैनिकों के लिए 50 डिसमिल जमीन की मांग

सीएसडी कैंटीन, सोल्जर बोर्ड, ईसीएचएस पॉलिक्लिनिक व सैनिक विश्राम गृह स्थापना को लेकर सौंपा मांग पत्र, विधायक ने सदन में उठाने का दिया आश्वासन

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को बिहार राज्य इंडियन एक्स-सर्विसमेन मूवमेंट (आईईएसएम) के जिला पदाधिकारियों ने बक्सर सदर विधायक एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा से मुलाकात कर जिले के लगभग दस हजार पूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं के लिए आधारभूत सुविधाओं की मांग उठाई। बैठक का नेतृत्व आईईएसएम के जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक के समक्ष सीएसडी कैंटीन, सोल्जर बोर्ड, ईसीएचएस पॉलिक्लिनिक तथा सैनिक विश्राम गृह के निर्माण हेतु बक्सर शहर क्षेत्र के भीतर 50 डिसमिल भूमि उपलब्ध कराने की मांग रखी। बताया गया कि यह मांग पिछले करीब 20 वर्षों से लंबित है, लेकिन अब तक ठोस पहल नहीं हो सकी है। विधायक ने मांगों को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने पूर्व सैनिकों की मांगों को जायज बताते हुए इस सदन में उठाने की बात भी पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल से कही। जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने कहा कि पूर्व में सभी सांसदों एवं विधायकों को मंच पर आमंत्रित कर इस मुद्दे को उठाया गया था, किंतु केवल आश्वासन ही प्राप्त हुआ। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। जिला उप कोषाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि बक्सर में कुछ भूखंडों की पहचान की गई है, जिनकी वर्तमान स्थिति की पुष्टि अंचल अधिकारी (सीओ) से कराई जानी है। उन्होंने बताया कि पहला प्रस्तावित स्थल बक्सर बस स्टैंड के पास ओवरहेड पुल के दाहिनी ओर स्थित भूमि है, जहां मृत नहर भी है। इस भूमि के लिए पूर्व में सभी दस्तावेज तैयार किए गए थे, किंतु अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिल पाने के कारण मामला अटका रहा। दूसरा प्रस्तावित स्थल आईटीआई मैदान के पूरब दिशा में पानी टंकी के समीप है। बताया गया कि उक्त भूमि पहले सीवरेज परियोजना के लिए चिह्नित की गई थी, जिसे बाद में निरस्त कर दिया गया। आईईएसएम पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भूमि बक्सर शहर की परिधि के भीतर ही होनी चाहिए, ताकि पूर्व सैनिकों को आवागमन में सुविधा मिल सके। विधायक आनंद मिश्रा ने कहा कि पूर्व सैनिकों की सेवा और सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। यहां तक कि आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था कर भूमि खरीदने की पहल भी की जाएगी। विधायक के इस आश्वासन पर उपस्थित पदाधिकारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। मौके पर कैप्टन आरसी पाल, सूबेदार मेजर राजेंद्र चौबे, सूबेदार सुदामा प्रसाद, सूबेदार नंद जी ओझा, सूबेदार जैनेन्द्र सिंह, हवलदार हरिहर सिंह, नायब सूबेदार रामनाथ सिंह, नायब सूबेदार धनंजय दुबे, हवलदार बिनोद कुमार मिश्रा तथा वारंट ऑफिसर विनोद मिश्रा सहित कई पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

छह फरवरी को पहाड़ कटिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गया था रामानंद, चौथे दिन पानी भरे खाई से निकला था पोकलेन मशीन

नौवे दिन बरामद हुआ राजस्थान के उड़ेला माइंस हादसे में लापता हुए रजडीहा के युवक का शव

पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर पैतृक गांव आएंगे स्वजन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय थाना क्षेत्र के रजडीहा गांव निवासी तथा राजस्थान के अरवल जिले के उड़ेला माइंस हादसे में पोकलेन के साथ सैकड़ो फीट गहरे खाई में लापता हुए 25 वर्षीय रामानंद तिवारी का शव नौवे दिन शनिवार को बरामद कर लिया गया है। रेस्क्यू टीम ने एक बड़े चट्टान के बीच फंसे शव को पोकलेन मशीन के सहारे बाहर निकाला। शव मिलने के साथ ही रामानंद तिवारी पिता पारसनाथ तिवारी की मौत की पुष्टि हो गई। बावजूद स्थानीय प्रशासन ने शव को कब्जे में ले वहां के सदर अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पोस्टमार्टम करा शव को स्वजनों को सौंप दिया गया है। स्वजन शव लेकर गांव के लिए चल दिए है।

क्या है घटना क्रम

बता दें कि रजडीहा गांव निवासी पारसनाथ तिवारी का सबसे छोटा पुत्र रामानंद तिवारी राजस्थान के अरवल जिले के रामगढ़ उड़ेला माइंस इलाके में पोकलेन मशीन से पहाड़ तोड़ने का काम कर रहा था। छह फरवरी शुक्रवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह पोकलेन मशीन से पहाड़ तोड़ रहा था, इसी दौरान पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा, जिसका वजन 50 टन से अधिक बताया जा रहा है, अचानक टूटकर पोकलेन पर गिर गया तथा रामानंद पोकलेन मशीन के साथ गहरे खाई में गिर गया। खाई में सैकड़ो फीट पानी भरा था, जिस कारण रेस्क्यू में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इधर राजस्थान के साथ ही बक्सर की मीडिया ने इस घटना को सुर्खियों से प्रकाशित कर राजस्थान सरकार का ध्यान इस हादसे की ओर आकृष्ट कराया, जिसके बाद लापता रामानंद की तलाश में राजस्थान सरकार के साथ ही केन्द्रीय एजेंसियों को लगाया गया।हादसे के चौथे दिन चुंबक के सहारे पानी में डूबे पोकलेन मशीन को निकाल लिया गया था, जबकि पांचवे दिन रामानंद का एक जूता खाई से बाहर मिला था। शुक्रवार को भी उसकी तलाश में गहरे खाई में उतरे रेस्क्यू टीम को उसका दूसरा जूता मिला। जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने खाई से पानी की निकासी शुरू करवाई। करीब 15-20 फीट पानी निकलाने के बाद उसका शव दो चट्टानों के बीच फंसा नजर आया, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने पोकलेन व जेसीबी के सहारे शव को बाहर निकाला।

पीड़ित परिवार में मचा कोहराम, माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल

इधर घटना के बाद से ही रामानंद के स्वजन किसी चमत्कार की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन शव बरामद होने के साथ ही उनकी उम्मीदे धूमिल हो गई। शव मिलने की जानकारी के बाद से ही स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। सबसे खराब स्थिति पिता रामानंद तिवारी तथा माता सीता देवी का है। जबकि बहन सिंपल कुमारी, बड़े भाईयों नित्यानंद तिवारी व सदानंद तिवारी भी शव मिलने के बाद से बदहवास हो चुके है।

11 फरवरी को गांव आने वाला था रामानंद

रामानंद के पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि पांच फरवरी को उसने अपने पिता से बात की थी। इस दौरान उसने कहा था कि उसके तीन महीने का मजदूरी बकाया है, ठेकेदार 10 फरवरी को पैसा देने को कहा है। पैसा मिलते ही मैं 11 फरवरी को गांव आ जाउंगा, लेकिन उसके पहले ही वह हादसे का शिकार हो गया। उसके घरवालों का कहना है कि यदि ठेकेदार उसके बकाए मजदूरी का समय से भुगतान कर दिया होता तो रामानंद हादसे का शिकार नहीं होता, बल्कि वह गांव आ गया होता। इस घटना के बाद जहां घरवाले मर्माहत है, वहीं दूसरी तरफ ठेकेदार के रूखे स्वभाव, तीन महीने तक उसकी मेहनत की कमाई को रोककर रखने तथा लापता होने के बाद उसकी तलाश करवाने की बजाया फरार होने पर गहरी नाराजगी है। उसके पिता ने राजस्थान सरकार से ठेकेदार पर हत्या का केस चलाने तथा उसे कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

बिहार के युवाओं को रोजगार दे राज्य सरकार : अगस्त उपाध्याय

वहीं, दिव्यांग संघ के जिलाध्यक्ष अगस्त उपाध्याय ने कहा कि बिहार सरकार सिर्फ कागजों में ही युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार देने क बात कहती है। उन्होंने कहा कि यदि बिहार के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिले तो वे सैकड़ो हजारों किलोमीटर दूर दूसरे प्रदेशों में नौकरी करने नहीं जाते। उन्होंने कहा कि परदेश में जान गंवाने वाला रामानंद अकेला कामगर नहीं है, इसके पहले भी कई युवा पेट की आग बुझाने में दूसरे प्रदेशों या खाड़ी देशों में अपनी जान गवां चुके है। उन्होंने राज्य सरकार से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग की है।

एक नजर

देवीशक्ति जीविका संकुल की वार्षिक आम सभा सम्पन्न, 25 लाख से अधिक का शुद्ध लाभ

नावानगर। शनिवार को देवीशक्ति जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ सिकरौल लख की वार्षिक आम सभा का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड परियोजना प्रबंधक पप्पू प्रसाद एवं संकुल संघ के प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। सभा का मुख्य उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2025-26 का लेखा-जोखा प्रस्तुत करना तथा आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना की रूपरेखा तय करना था।सीएलएफ की कोषाध्यक्ष ने विस्तृत वित्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि संकुल के अंतर्गत कुल 47 ग्राम संगठन एवं 583 स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे लगभग 6,626 दीदियां जुड़ी हुई हैं। प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में सीएलएफ को 25,46,134 रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। इसके अलावा आईसीएफ एवं सामान्य ऋण के रूप में कुल 5 करोड़ 97 लाख 55 हजार रुपये का ऋण वितरण कर दीदियों को आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त किया गया। कार्यक्रम में जीविकोपार्जन विशेषज्ञ अखिलेश दीक्षित, लेखापाल अरविंद कुमार, सामुदायिक समन्वयक शंभू कुमार श्रीवास्तव, उदय कुमार सिन्हा, महेश कुमार, एमबीके रौशनी कुमारी सहित सैकड़ों जीविका कैडर और दीदियां उपस्थित रहीं। सभा का समापन सीएलएफ अध्यक्ष कविता देवी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मंच संचालन क्षेत्रीय समन्वयक मोहम्मद याकूब ने किया। कार्यक्रम ने महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में जीविका की मजबूत भूमिका को रेखांकित किया।

शराब की खेप के साथ पकड़ाई महिला दोनों बेटे भी तस्करी है शामिल, फरार

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने गुप्त सूचना पर नगर के चतुरशालगंज से एक महिला कारोबारी को विदेशी शराब के साथ पकड़ा है। हालांकि, मौके का फायदा उठा उसके दोनों तस्कर बेटे फरार हो गए है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी गई है। गिरफ्तार महिला कारोबारी की पहचान पुष्पा देवी पति लक्ष्मण पासी के रूप में हुई है। वह चतुरशालगंज की रहने वाली है तथा उसके पास से 5.250 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ है। वहीं, उसके दोनों बेटे तुफान पासी व अमरजीत पासी पुलिस को चकमा दे फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि मां-बेटे मिलकर लंबे समय से तस्करी कर रहे थे। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना पर शनिवार की सुबह छापेमारी की गई। इस दौरान पुष्पा के घर के समीप से शराब की खेप बरामद हुई। उन्होंने कहा कि फरार तस्करों को भी शीघ्र पकड़ लिया जाएगा।

राजपुर में पीडीएस व्यवस्था दुरुस्त करने की कवायद, सख्त निगरानी के संकेत

राजपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभा कक्ष में प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी राजेश कुमार की अध्यक्षता में सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना रहा। अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पात्र लाभुकों को सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा में गुणवत्तायुक्त खाद्यान्न समय पर उपलब्ध कराना प्रत्येक डीलर की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निदेर्शानुसार अब नियमित निरीक्षण और औचक जांच के माध्यम से व्यवस्था की सतत निगरानी की जाएगी। बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि जन वितरण प्रणाली गरीब और जरूरतमंद परिवारों की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में किसी भी स्तर पर अनियमितता सीधे तौर पर आम जनता के अधिकारों का हनन है। अधिकारियों ने संकेत दिया कि शिकायत मिलने या जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित डीलर के विरुद्ध त्वरित और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि क्षेत्र में पीडीएस दुकानों को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। बैठक में मोहन राय, नंदजी सिंह, हरिहर सिंह, सचिदानंद उपाध्याय सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

पंचायत स्तर पर प्रशासन की पहल : चुन्नी में 22 मामलों का ऑन-द-स्पॉट निपटारा

चौसा। चौसा प्रखंड की चुन्नी पंचायत में शनिवार को आयोजित बहु-विभागीय समाधान शिविर ने ग्रामीणों को बड़ी राहत दी। सबका सम्मान जीवन आसान अभियान के तहत सामुदायिक भवन में लगे इस शिविर में प्रशासनिक टीम सीधे गांव पहुंची और लोगों की समस्याओं को मौके पर ही सुनकर समाधान की दिशा में कदम उठाया।शिविर का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार पासवान ने किया। उनकी देखरेख में विभिन्न विभागों के अलग-अलग काउंटर एक ही परिसर में लगाए गए, जिससे ग्रामीणों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। पेंशन, इंदिरा आवास, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पेयजल, नल-जल एवं नाली-गली निर्माण से जुड़ी समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपने आवेदन जमा किए। शिविर में कुल 55 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 30 आवेदन प्रखंड स्तर से संबंधित पाए गए। प्रशासन की तत्परता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 22 आवेदनों का निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया। बीडीओ ने संबंधित कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। ग्रामीणों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर इस तरह के शिविर से समय और धन दोनों की बचत हुई है। शिविर में अंचलाधिकारी नीलेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशासन की इस पहल से पंचायत में भरोसे और पारदर्शिता का संदेश गया है।

आस्था, उल्लास और लोकगीतों से गूंजा रघुनाथपुर

महाकालेश्वर मंदिर में हल्दी-मटकोड़ की रस्म के साथ शिव विवाह उत्सव की भव्य शुरूआत

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर स्थित तुलसी आश्रम परिसर में अवस्थित महाकालेश्वर मंदिर इन दिनों भक्ति और उत्सव के रंग में रंगा नजर आ रहा है। महाशिवरात्रि से पूर्व आयोजित महाकाल भगवान की हल्दी एवं मटकोड़ रस्म ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर कर दिया। वैदिक मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच पंडित राजू मिश्रा ने पारंपरिक विधि-विधान से भगवान महाकाल की हल्दी चढ़ाई। जैसे ही हल्दी की रस्म आरंभ हुई, मंदिर प्रांगण में मौजूद महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीतों की स्वर लहरियां बिखेर दीं। ह्लकौना बने रहलू ए कोयलर३ह्व जैसे लोकगीतों ने माहौल को जीवंत बना दिया। गौरा-हिमाचल प्रसंग से जुड़े गीतों के साथ श्रद्धालु झूम उठे।

पूजा समिति के सदस्य मदन चौधरी, शैलेश ओझा, संतोष सिंह और संतोष गुप्ता सहित अन्य श्रद्धालुओं ने नेग की परंपरा निभाते हुए उत्सव में सक्रिय भागीदारी की। मंदिर परिसर रंग-बिरंगी सजावट, फूलों और दीपों से सुसज्जित रहा, जिससे पूरा वातावरण विवाहोत्सव जैसा प्रतीत हो रहा था।

आगामी महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां से महाकाल की भव्य शिव बारात निकलेगी। यह बारात रघुनाथपुर स्टेशन के समीप स्थित दुर्गा माता मंदिर तक पहुंचेगी, जहां हिमाचल की पुत्री माता गौरा संग भगवान शिव का विवाह वैदिक रीति-रिवाज से संपन्न कराया जाएगा। इस दौरान गंगा महाआरती और महाकाल की विशेष भस्म आरती भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

श्रद्धालुओं में इस अनूठे आयोजन को लेकर विशेष उत्साह है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपराओं का जीवंत उत्सव है।

महाकालेश्वर मंदिर में आरंभ हुआ यह विवाहोत्सव अब पूरे क्षेत्र में आस्था का उत्सव बन चुका है, जिसका चरम दृश्य महाशिवरात्रि की रात देखने को मिलेगा।

खेल प्रतिभाओं का सम्मान : अनंत विजयम एकेडमी की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

एसडीएम राकेश कुमार ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत, स्वामी विवेकानंद के संदेश से किया प्रेरित

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्थित अनंत विजयम एकेडमी में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन शनिवार को भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने की। कार्यक्रम में वे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता दीक्षा कुमारी तथा राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता निधि कुमारी शामिल रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और सम्मान से हुआ। एकेडमी के प्रेसिडेंट चंदन कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों एवं टीमों को विनर कप, शील्ड और मेडल प्रदान किए गए। विजेता टीमों के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों को भी मेडल और कप देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम राकेश कुमार ने अपने संबोधन में युवाओं को खेल के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध कथन का उल्लेख करते हुए कहा, ह्लयदि तुम फुटबॉल को ठीक से नहीं खेल सकते, तो गीता के मर्म को भी नहीं समझ सकते। उन्होंने बताया कि खेलकूद न केवल शारीरिक विकास के लिए, बल्कि मानसिक सुदृढ़ता और अनुशासन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि दीक्षा कुमारी और निधि कुमारी ने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास, समर्पण और कठिन परिश्रम का संदेश देते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। खिलाड़ियों ने उनके अनुभवों से प्रेरणा ली और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लिया। वार्षिक प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों के विजेता टीम कप्तानों में कबड्डी (बालिका वर्ग) की कप्तान अदिति, कबड्डी (बालक वर्ग) के कप्तान अंश, रस्साकस्सी में श्रेयसी ठाकुर एवं उज्ज्वल सिंह, फुटबॉल में शहरयार, खो-खो में सोनाक्षी तथा क्रिकेट में रितेश ओझा शामिल रहे।

कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार राय ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सिद्धि कुमारी, शिवम गुप्ता, राज कुमार, डॉली सिंह, पूनम तिवारी, रविभूषण, रामबचन सिंह, माधवी मिश्रा, तराना, अनुष्का, विद्यावती, निखिल कुमार, आकांक्षा, तरुण, सिया मिश्रा एवं विनीता गौरव पांडे सहित अन्य शिक्षकों व सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह के अंत में खिलाड़ियों के उत्साह और उपलब्धियों की सराहना करते हुए आयोजन समिति ने भविष्य में और बड़े स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

पुलवामा शहीदों की स्मृति में युवा जागरण कार्यक्रम बक्सर में दौड़ प्रतियोगिता व ऐप लॉन्च की घोषणा

केटी न्यूज/बक्सर

वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले की बरसी पर शुक्रवार को बक्सर में शहीद जवानों की स्मृति में युवा जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहर के कवलदह पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पूर्व सैनिकों, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने एकत्र होकर 40 वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया तथा देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व सीआरपीएफ जवान एवं बक्सर वॉरियर संगठन के अध्यक्ष रंजन राय ने किया। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ऐसे अवसर केवल श्रद्धांजलि देने तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करने का माध्यम बनना चाहिए।

पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष राम नाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पुलवामा में शहीद हुए जवानों का त्याग देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने युवाओं से अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति की भावना को जीवन में अपनाने की अपील की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के साथ युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सिपाही घाट (वामन भगवान मंदिर के पास) पर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। विजेताओं के लिए प्रथम पुरस्कार 10 हजार रुपये, द्वितीय 5 हजार रुपये तथा तृतीय 1 हजार रुपये निर्धारित किया गया। इस अवसर पर ह्यबक्सर वॉरियर एकेडमीह्न नामक एक मोबाइल ऐप लॉन्च करने की घोषणा भी की गई, जो युवाओं को सेना एवं अन्य सुरक्षाबलों में भर्ती की तैयारी हेतु मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

आस्था : महाशिवरात्रि पर बाबा गुप्ता धाम में भक्तों का जत्था आज करेंगे जलाभिषेक

■ रोहतास प्रशासन सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर हुआ मुस्तैद

केटी न्यूज/रोहतास

जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं आस्था का प्रतीक गुप्ता धाम में महाशिवरात्रि मेला को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा,सुरक्षा एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन, सहायता एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रास्तों में वनकर्मियों एवं स्वयंसेवकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। यह कर्मी श्रद्धालुओं को मार्ग की जानकारी देने, भीड़ प्रबंधन में सहयोग करने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैनात है। वन क्षेत्र में सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 14 और 15 फरवरी को आकस्मिक सेवाओं को छोड़कर सभी प्रकार के चार पहिया वाहनों का बादलगढ़ गेट से आगे प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण तथा वन क्षेत्र में संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। हालांकि श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए दो पहिया वाहनों से आवागमन की अनुमति दी गई है, जो प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगी। निर्धारित समयावधि के बाहर किसी भी प्रकार के वाहन प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम द्वारा बताया गया कि महाशिवरात्रि पर्व को लेकर गुप्ताधान मंदिर चेनारी में सुरक्षा-व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था में पांच दण्डाधिकारी व 150 पुलिस बल सहित विशेष पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति होंगे। जबकि नगर पंचायत,चेनारी द्वारा साफ-सफाई की विशेष जिम्मेवारी होगी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चेनारी द्वारा मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति की गयी है। पीएचईडी, सासाराम द्वारा मार्गो में जरूरत के अनुसार विभिन्न स्थानों पर चलंत शौचालय का निर्माण किया गया है। वन विभाग द्वारा दस 10 जगहों पर वायरलेस दूरभाष अधिष्ठापित किया गया है। मंदिर संचालित समिति द्वारा स्वयं सेवकों की प्रतिनियुक्ति की गयी है तथा वन विभाग के तरफ से हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। मंदिर समिति के द्वारा गुफा में विग्रह के पास ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। आवश्यकतानुसार मंदिर के अन्दर एम्जॉस्ट फैन की व्यवस्था भी है। नगर पंचायत,चेनारी के द्वारा विडियोग्राफी करवाने की व्यवस्था की गई है।अंचलाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी,प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं थानाध्यक्ष को महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष सतर्कता बनाये रखने हेतु निदेशित किया गया है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेशों का पालन करें।

सवर्ण भूमिहीनों को पांच डिसमिल जमीन दें, बिहार सरकार से उच्च जाति आयोग ने की सिफारिश, ईडब्ल्यूएस को लेकर सख्त निर्देश

एजेंसी। पटना

बिहार राज्य उच्च जाति आयोग (सवर्ण आयोग) ने राज्य की उच्च जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सभी पात्र गरीबों को शत-प्रतिशत प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश जिलाधिकारियों को दिया है। साथ ही, प्रमाण पत्र निर्गत करने में आ रही कठिनाइयों के समाधान के लिए सभी प्रमंडलीय आयुक्तों को आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। आयोग ने उच्च वर्ग के गरीब भूमिहीन परिवारों को घर निर्माण के लिए पांच डिसमिल जमीन उपलब्ध कराने की सिफारिश राज्य सरकार से की है। शुक्रवार को नेहरू मार्ग (बेली रोड) स्थित कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में आयोग के अध्यक्ष डॉ. महाचंद्र प्रसाद सिंह ने यह निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान सामने आया कि एहर नियमावली में कुछ त्रुटियां हैं, जिनमें सुधार के लिए सामान्य प्रशासन विभाग और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से समन्वय की आवश्यकता है। आयोग ने सभी जिलों से अब तक जारी एहर प्रमाण पत्रों की संख्या, अस्वीकृत आवेदनों और लंबित मामलों का विस्तृत ब्योरा भी मांगा है। बैठक में आयोग के उपाध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, सदस्य राजकुमार सिंह, जयकृष्ण झा और दयानंद राय उपस्थित थे। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. महाचंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि पिछले सात महीनों में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई है। सभी नौ प्रमंडलों से प्राप्त सुझावों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। आयोग ने राज्य सरकार से मांग की है कि उच्च जातियों के गरीब भूमिहीन परिवारों को पांच डिसमिल बासगीत भूमि उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क कोचिंग और छात्रावास की व्यवस्था की जाए। प्रतियोगी परीक्षाओं में आयु सीमा बढ़ाकर पुरुष अभ्यर्थियों के लिए 40 वर्ष और महिला अभ्यर्थियों के लिए 45 वर्ष करने का अनुरोध भी किया गया है। आयोग के अनुसार, सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की आबादी 25.09 प्रतिशत है। इस वर्ग में 10 हजार रुपये मासिक आय वाले परिवारों की हिस्सेदारी 49.07 प्रतिशत बताई गई है। आयोग का मानना है कि इस वर्ग को आवास, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सरकारी सहायता की आवश्यकता है। आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग के बीच केंद्र सरकार ने अपर कास्ट के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया है, जिसे एहर के नाम से जाना जाता है। हाल के दिनों में एहर प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाइयों की शिकायतें मिल रही थीं। इसी को देखते हुए सवर्ण आयोग ने जिला प्रशासन को प्रक्रिया सरल और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया है। साथ ही, गरीब भूमिहीन परिवारों को आवास के लिए पांच डिसमिल जमीन देने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है।

भूमिहीन सवर्णों के लिए 5 डिसमिल जमीन की मांग

बिहार सवर्ण आयोग ने समीक्षा बैठक के दौरान पाया कि वर्तमान ईडब्ल्यूएस नियमावली में कुछ विसंगतियां हैं, जिन्हें दूर करने के लिए सामान्य प्रशासन और राजस्व विभाग से समन्वय किया जाएगा। आयोग ने कहा कि गरीब सवर्णों को सिर छिपाने के लिए छत देना प्राथमिकता है, इसलिए सरकार को प्रत्येक भूमिहीन परिवार को 5 डिसमिल जमीन आवंटित करनी चाहिए। सभी प्रमंडलों से मिले फीडबैक के आधार पर अब जिलों से लंबित और अस्वीकृत ईडब्ल्यूएस आवेदनों का डेटा भी मांगा गया है।

दलितों की तरह अधिकतम आयु सीमा बढ़ाने की मांग

आयोग ने युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिकतम आयु सीमा बढ़ाने की सिफारिश की है। प्रस्ताव के अनुसार, सामान्य वर्ग के लड़कों के लिए आयु सीमा 40 वर्ष और लड़कियों के लिए 45 वर्ष की जानी चाहिए। इसके अलावा, सवर्ण छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क कोचिंग और अलग छात्रावास की व्यवस्था करने का भी अनुरोध किया गया है, ताकि आर्थिक तंगी उनकी शिक्षा में बाधा न बने।

समाजसेवी के बेटी को आशीर्वाद देने पहुंचे सैकड़ों जनप्रतिनिधि

केटी न्यूज/रोहतास

समाजसेवी अंजनी सिंह के घर पुत्री की शादी में पूर्व मंत्री,सांसद विधायक,आई एएस,आईपीएस अधिकारी सहित कई गणमान्य लोगों ने की शिरकत,वर वधु को दिया आशीर्वद। जाने-माने व्यवसायी व समाजसेवी भेड़िया निवासी अंजनी सिंह के घर उनके पुत्री की शादी समारोह में पूर्व मंत्री, सांसद,विधायक आईएएस आई पी एस अधिकारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल शिरकत कर वर वधु को आशीर्वाद दिया। शादी समारोह में शिरकत करने वालों

में मुख्य रूप से झारखंड के पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर, पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, पूर्व सांसद रमा सिंह,विधायक मनोज कुमार,

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व रघुवंश सिंह के पुत्र सत्य प्रकाश सिंह,बेगूसराय के जिला जज संजय सिंह,सासाराम जेल अधीक्षक सुजीत राय, गोपाल

नारायण सिंह यूनिवर्सिटी के एमडी गोविंद नारायण सिंह,डेहरी विधायक सोनू सिंह की धर्मपत्नी पूर्व जिला परिषद सदस्य नीतू सिंह, गढ़वा के एक्सक्यूटिव ऑफिसर प्रदीप कुमार,औरंगाबाद जिला लोजपा अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह,राज्य स्तरीय सीनेट सदस्य धनंजय सिंह,वीणा सिंह सांसद के ललित प्रताप सिंह तथा विधायक कोमल सिंह एवं दिनेश सिंह के ओएसडी ललित सिंह, आईपीएस शंभू सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के परिवार के सदस्य अरुण सिंह, जाने-माने चिकित्सक डॉ आर डी सिंह, डीबीएस कंस्ट्रक्शन के विनोद सिंह, प्रो कुमार धर्मेंद्र सिंह,पूर्व प्राचार्य प्रो डॉ वीरेंद्र शंकर सिंह सहित बिहार झारखंड के सैकड़ो राजनेता, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, व्यवसायी व उद्योगपति शामिल हुए। समारोह में शामिल सभी लोगों ने जहां वर वधु को आशीर्वाद दिया वहीं जय गोविंद सिंह, अश्विनी सिंह एवं अंजनी सिंह ने सभी लोगों का स्वागत अभिनंदन गुलाब का फूल देकर किया।

महाशिवरात्रि पर आज बिक्रमगंज अनुमंडल शिवालय में गूंजेगा हर-हर महादेव

केटी न्यूज/रोहतास

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष चतुर्दशी की पुण्य तिथि पर आज रविवार पूरा बिक्रमगंज अनुमंडल शिवमय हो उठा है। महाशिवरात्रि के अवसर पर भूतभावन भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती सहित समस्त देवी- देवताओं की विधि-विधान से पूजा- अर्चना की जाएगी। ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक आस्था का अद्भुत सैलाब उमड़ने को तैयार है। अनुमंडल के प्राचीन एवं प्रसिद्ध शिवालयों में कस्तर महादेव,धनगाई बुढ़वा महादेव,धारूपुर शिव मंदिर, बिक्रमगंज नगर शिव मंदिर, काराकाट शिव मंदिर,गोड़ारी बुढ़वा महादेव, देव मार्कण्डेय शिव धाम, कछवां बुढ़वा महादेव सहित नासरीगंज, राजपुर, संझौली, दिनारा, दावथ और सूर्यपुरा प्रखंड के सभी छोटे-बड़े मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रंग-बिरंगी रोशनी,फूल- मालाओं और भव्य सजावट से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हैं। मंदिरों के प्रधान पुजारियों के अनुसार रविवार की अहले सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही जलाभिषेक आरंभ होगा। गंगाजल, दूध, दही,घी, शहद, बेलपत्र, धतूरा,भांग एवं फल-फूल से रुद्राभिषेक कर भक्त भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। दिनभर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगने की संभावना है। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन, रात्रि जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। पूजा समितियों ने व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है,वहीं स्थानीय प्रशासन भी भीड़ प्रबंधन को लेकर सतर्क है।

महाशिवरात्रि पर बाबा गरीब नाथ धाम में उमड़ेगा जनसैलाब, मुजफ्फरपुर में भव्य शिव बारात की तैयारी

एजेंसी। पटना

उत्तर बिहार के 'बाबा धाम' के रूप में विख्यात मुजफ्फरपुर के ऐतिहासिक बाबा गरीब नाथ मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व रविवार को बेहद धूमधाम से मनाया जाएगा। देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती के विवाह उत्सव को लेकर पूरे शहर में उत्सव का माहौल है। मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन ने इस विशाल आयोजन के लिए कमर कस ली है। महाशिवरात्रि के पूर्व शनिवार को मंदिर परिसर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ 'पूजा मटकोर' का विधि-विधान संपन्न हुआ। हिंदू धर्म में विवाह से पूर्व होने वाली इस महत्वपूर्ण रस्म के दौरान मंदिर प्रांगण भक्तिमय गीतों से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर विशेष भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। सेवाइत परिवार और पुरोहितों की देखरेख में शादी के लिए विशेष मिष्ठान और पकवान तैयार किए गए, जो इस उत्सव की प्राचीन परंपराओं को जीवंत करते हैं। रविवार को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर बाबा गरीब नाथ धाम से एक विशाल और भव्य शिव बारात निकाली जाएगी। यह झांकी शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों से होकर गुजरेगी। बारात में देवी-देवताओं के स्वरूपों के साथ-साथ पारंपरिक वाद्य यंत्रों और झांकियों का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। मान्यता है कि शिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था, इसीलिए भक्त हर वर्ष इस दिन को 'विवाह उत्सव' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। बारात भ्रमण के बाद पुनः बाबा के दरबार पहुंचेगी, जहां देर रात तक विवाह की धार्मिक रस्में पूरी की जाएंगी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और शिव बारात की भव्यता को देखते हुए मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। बारात के मार्ग पर सीसीटीव कैमरों और ड्रोन के जरिए निगरानी रखी जा रही है ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। प्रशासनिक टीम और मंदिर के सेवाइत परिवार के सदस्य आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में जुटे हैं। बाबा गरीब नाथ के प्रति उत्तर बिहार के लोगों की अटूट आस्था है। भक्तों का मानना है कि महाशिवरात्रि पर बाबा के दर्शन मात्र से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। मंदिर के मुख्य पुजारियों ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन विशेष है और भक्तों की सुविधा के लिए विशेष बैरिकेडिंग और जलाभिषेक की भी व्यवस्था की गई है, पूरा मुजफ्फरपुर 'हर-हर महादेव' के जयघोष से सराबोर है।

बीपीएल बिजली उपभोक्ता को कुटीर ज्योति योजना से मिलेंगी खुशियां

केटी न्यूज/रोहतास

जिले क्षेत्र में कुटीर ज्योति के बीपीएल बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगी खुशियां। अब उन्हें बिजली बिल की चिंता नहीं करनी होगी। विद्युत अधीक्षण अभियंता सासाराम इंद्रदेव कुमार ने बताया की सरकार उनकी छत पर 1.1 केवीए का मुफ्त में सोलर पैनल लगाने जा रही है। इसके लिए बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं से सहमति मांगी है। अगर आपके पास पक्की छत है और योजना का लाभ उठान चाहते हैं तो 28 फरवरी तक सुविधा एप के जरिए आवेदन कर सकते हैं। जिले में करीब 97773 कुटीर ज्योति कनेक्शनधारी हैं। इस योजना का मकसद गरीब परिवारों को बिजली बिल से राहत देना और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना है। सोलर यूनिट लगाने के लिए उपभोक्ता के पास करीब 64 वर्ग फीट पक्की छत होनी चाहिए व जगह छायामुक्त भी होनी चाहिए। उन्होंने बताया की 1.1 केवीए क्षमता के सोलर पैनल के लिए दो सोलर प्लेट लगेंगे। सोलर पैनल और इंस्टॉलेशन का पूरा खर्च विद्युत विभाग उठाएगी। उपभोक्ता को अपनी जेब से एक पैसा नहीं देना है, बस शर्त यह है कि पैनल लगने के बाद उसकी साफ-सफाई और सुरक्षा की जिम्मेदारी उपभोक्ता को खुद की होगी। कुटीर ज्योति योजना एक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य गरीब परिवारों को घरेलू बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराना है। पहले बहुत से गांवों में लोग मिट्टी के दीये, लालटेन या केरोसिन लैंप का इस्तेमाल करते थे। इससे न केवल खर्च बढ़ता था बल्कि स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी खतरा रहता था। बता दें की आवेदन करने के लिये उपभोक्ता को अपने मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर से सुविधा एप डाउनलोड करना होगा। उसके उपरांत एप खोलें और रूफटॉप सोलर पैनल स्थापन हेतू सहमित (कुटीर ज्योति) लिंक पर क्लिक करें तत्पश्चात अपना कंज्यूमर नंबर (सीए नंबर) डालें उसके बाद रजिस्ट्रड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा व योजना की जानकारी आएगी उसपर क्लिक करें। सहमति प्रदान करते समय आवेदक को किसी एक पता प्रमाण पत्र (जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि) के साथ बीपीएल कार्ड या अन्य पात्रता प्रमाण पत्र जमा करना एवं मांगी गई जानकारी तहत छत का फोटो या एरिया भरकर सबमिट अवश्य करें।

एक नजर

नाली विवाद के मारपीट में वृद्ध महिला की मौत

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के कहुआरा गांव में नाली विवाद को लेकर चचेरे भाइयों के बीच मारपीट में बीच बचाव करने गई वृद्ध महिला की मौत हो गई। घटना के संबंध में बिक्रमगंज के एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह ने बताया कि कहुआरा निवासी स्व यमुना सिंह और दशरथ सिंह दोनों भाई हैं। शनिवार को यमुना सिंह के पुत्र नरेन्द्र कुमार सिंह उर्फ भूषण और दशरथ सिंह के पुत्र राजू कुमार सिंह, सुजीत कुमार सिंह व अन्य लोगों के बीच नाली निर्माण को लेकर पहले विवाद हुआ। फिर मारपीट में तब्दील हो गया, जिसमें बीच बचाव करने गई नरेन्द्र सिंह की 70 वार्षिय मां लक्ष्मनिया उर्फ लखमूना कुंअर चोट लगने से गिर गई और फिर उसकी मौत हो गई। बताया एक पक्ष अपने तरफ से नाली निर्माण नहीं होने पर अडिग था तो दूसरा पक्ष उधर से ही नाली का निर्माण करना चाहता था। इसी बात को लेकर पहले नोक झोक हुई फिर दोनों पक्ष के बीच लाठी डंडे से मारपीट शुरू हो गई. विवाद बढ़ते देख वृद्ध महिला वहां बीच बचाव के लिए पहुंची, जिसे मारपीट के दौरान वहीं चोट लगने से गिर गई और उनकी मौत हो गई. एसडीपीओ ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया है। मृतक के पुत्र एवं आरोपी चचेरा भाई हैं।

सीओ ने पुलिस बल के साथ आरोपी के विरुद्ध की कुर्की कार्रवाई

इंद्रपुरी। थाना क्षेत्र के पीतम्बरपुर गांव में सक्षम न्यायालय के आदेश पर जीआर केस नंबर 1233/19 एवं इंद्रपुरी थाना कांड संख्या 779/19 में डेहरी के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रवीण कुमार के आदेश पर डेहरी अंचल अधिकारी अविनाश कुमार एवं इंद्रपुरी थाना अध्यक्ष प्रियंका कुमारी गुप्ता के नेतृत्व में प्राप्त कुर्की अधिपत्र के आलोक में संजीव कुमार उर्फ पिंटू उर्फ राजीव सिंह पिता स्वर्गीय महेंद्र प्रसाद सिंह तथा विशाल कुमार पिता राजीव कुमार सिंह दोनों निवासी पितांबरपुर थाना इंद्रपुरी के घर कुर्की वारंट के अनुपालन में इनके बंद आवास को सीओ की मौजूदगी में कुर्की की कार्रवाई की गई। इस संबंध में थाना अध्यक्ष प्रियंका कुमारी गुप्ता ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर डेहरी सी ओ की मौजूदगी में कुर्की की कार्रवाई की गई है ।

पुलिस ने एनबीडब्ल्यू वारंटी को भेजा जेल

राजपुर। राजपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम छपरा निवासी बहादुर सिंह उर्फ झगरू सिंह के पुत्र राजाराम सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय से एनबीडब्ल्यू जारी था। इस संबंध में थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने जानकारी देते हुए बताया कि वारंट के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को पकड़ा है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मानव जीवन में संयम और करुणा ही उन्हें बनाता है चिंतनमुक्त : जीयर स्वामी

काराकाट । काराकाट प्रखंड क्षेत्र के बरडीहा मुरारपुर की पावन धरती उस समय भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से दैदीप्यमान हो उठी,जब यहां श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ सह श्रीराम- लक्ष्मण-जानकी प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव का भव्य आयोजन हुआ । यज्ञ मंडप से उठती अग्नि की लौ,शंखनाद और वेदमंत्रों की गूंज ने वातावरण को ऐसा दिव्य बना दिया कि हर श्रद्धालु स्वयं को किसी पावन तीर्थ में उपस्थित महसूस कर रहे थे । दूर-दूर से आए भक्तों की भीड़ ने इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। व्यासपीठ पर विराजमान पूज्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने प्रवचन में कहा कि धर्म केवल कर्मकांड नहीं,बल्कि संयम,मयार्दा और आत्मनियंत्रण का नाम है । स्वामी जी महाराज ने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए जीवन की उन नौ गोपनीय बातों पर विस्तार से प्रकाश डाला,जिन्हें सार्वजनिक करना व्यक्ति के लिए हानिकारक हो सकता है। आय और संपत्ति का प्रदर्शन करना मन में अहंकार और समाज में ईर्ष्या को जन्म देता है। उन्होंने समझाया कि परिवार के भीतर के मतभेद,कमजोरियां या विवाद बाहर उजागर कर देना घर की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाना है। घर की बात यदि बाहर चर्चा का विषय बन जाए,तो संबंधों में दरार और गहरी हो जाती है। गुरु से प्राप्त मंत्र या साधना का रहस्य भी अत्यंत पवित्र होता है,उसे सार्वजनिक करना आध्यात्मिक शक्ति को क्षीण कर देता है । दान के विषय में उन्होंने कहा कि दान की राशि का प्रचार करना दान की पवित्रता को कम कर देता है। स्वामी जी ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि श्रीराम त्याग,सत्य और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक हैं। जहां अहंकार प्रवेश करता है,वहां संबंध टूट जाते हैं और जहां विश्वास और त्याग होता है,वहां ईश्वर का निवास होता है। बरडीहा मुरारपुर में संपन्न यह महायज्ञ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं रहा,बल्कि आत्ममंथन और संस्कार जागरण का ऐसा संदेश बन गया,जिसने वहां उपस्थित हर हृदय को भीतर तक स्पर्श किया।

मुखिया ने पंचायत सचिव के खिलाफ रोहतास डीएम से की शिकायत

सासाराम । हुरका पंचायत मुखिया संजू देवी ने पंचायत सचिव मुकेश कुमार के विरुद्ध रोहतास जिलाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त को आवेदन देकर उन्हें पंचायत के प्रभार से हटाने की मांग की है। मुखिया द्वारा दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि पंचायत सचिव का व्यवहार पंचायत के जनता एवं कर्मियों के प्रति संतोषजनक नहीं है। साथ ही पंचायत की योजनाओं का संचालन समय पर नहीं हो पा रहा है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पंचायत सचिव नशे की हालत में तथा बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं, जिससे पंचायत कार्यों और विकास योजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मुखिया ने मांग की है कि मुकेश कुमार को ग्राम पंचायत हुरका के प्रभार से हटाकर ग्राम पंचायत सरैया के पंचायत सचिव संतोष कुमार को हुरका पंचायत का अतिरिक्त प्रभार दिया जाए, ताकि पंचायत का कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सके। मामले में प्रशासनिक स्तर पर आगे की कार्रवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।

फार्मर रजिस्ट्री अभियान में ऐतिहासिक उपलब्धि : 50% लक्ष्य पार, दूसरी किस्त में मिलेंगे 450 करोड़ रुपये

एजेंसी। पटना

राज्य में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री अभियान ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पीएम किसान लक्ष्य के सापेक्ष 50 प्रतिशत नामांकन का आंकड़ा पार कर लिया। मिशन मोडझ3 के तहत 14 फरवरी तक विशेष अभियान चलाया जा रहा था, लेकिन विभाग ने निर्धारित समय-सीमा से पहले ही शनिवार की सुबह 10 बजे यह लक्ष्य प्राप्त कर लिया।ताजा आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 85,53,570 पीएम किसान लाभार्थियों के विरुद्ध 43,04,548 किसानों का फार्मर रजिस्ट्री नामांकन पूरा हो चुका है, जो 50.3 प्रतिशत उपलब्धि दशार्ता है। इस उपलब्धि के साथ ही राज्य को केंद्र सरकार से दूसरी किस्त के रूप में 450 करोड़ रुपये प्राप्त होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। अभियान के तहत जिलों में राजस्व कर्मियों, अंचल अधिकारियों, कृषि अधिकारियों एवं सभी जिला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी से शिविरों का आयोजन कर तेजी से नामांकन कार्य किया गया। कई जिलों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। वैशाली ने 102 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज कर राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि शिवहर, बेगूसराय, कटिहार और बक्सर जैसे जिलों ने भी लक्ष्य के करीब या उससे अधिक प्रगति दर्ज की। पीएम किसान से लिंक्ड फार्मर रजिस्ट्री के तहत भी 22,51,639 किसानों का नामांकन किया जा चुका है, जो 26.32 प्रतिशत है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अब शेष किसानों के नामांकन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ताकि शीघ्र ही शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सके। विभाग ने मिशन मोडझ3 के अंतर्गत सतत मॉनिटरिंग, दैनिक समीक्षा और क्षेत्रीय स्तर पर कैम्प आधारित रणनीति अपनाई। सुबह 10 बजे ही 50 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लेने से विभागीय तंत्र में उत्साह का माहौल है। अधिकारियों का कहना है कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, जिला प्रशासन की सक्रियता तथा राजस्व अमले की सतत मेहनत का परिणाम है। आने वाले दिनों में अभियान को और गति देते हुए शेष किसानों का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से राज्य के सब्जी किसानों तक पहुँच सके। उपमुख्यमंत्री सह मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि शनिवार को फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत 50 प्रतिशत लक्ष्य सुबह 10 बजे ही प्राप्त कर लेना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। मिशन मोडझ3 के अंतर्गत तय समय-सीमा से पहले यह उपलब्धि हमारी टीम भावना और किसानों के सहयोग का परिणाम है। इस उपलब्धि से केंद्र सरकार से 450 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त इंसेंटिव के रूप में प्राप्त होगी, जिससे किसानों के हित में योजनाओं को और गति मिलेगी। इस उपलब्धि के लिए इस काम में लगे हुए सभी अधिकारी और कर्मी बधाई के पात्र हैं। हमारा अगला लक्ष्य स्पष्ट है, शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री। हम रुकेंगे नहीं, बल्कि और तेजी से आगे बढ़ेंगे।

एक नजर

मधुबनी में ड्यूटी के दौरान डायल 112 पर तैनात होमगार्ड जवान की हार्ट अटैक से मौत, परिजनों में मचा कोहराम

मधुबनी। हार्ट अटैक से मौत का मामला आए दिन देखने को मिल रहा है। ताजा मामला मधुबनी जिले के घोघरडीहा थाने से जुडा है। जहां तैनात डायल 112 पर तैनात होमगार्ड जवान शुक्कन महतों की ड्यूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। बताया जाता है कि घोघरडीहा थाना क्षेत्र के बगराहा मुसहरी निवासी शुक्कन महतों रोजाना की तरह आज सुबह में घोघरडीहा थाने में डायल 112 पर अपनी ड्यूटी कर रहा था। साथी जवान की माने तो वह चाय पीकर जब आया तब उसे उल्टी हुई तब आनन-फानन में घोघरडीहा पीएचसी ले जाया गया जहां नाजुक हालत को देखते हुए वहां के चिकित्सकों ने सदर हॉस्पिटल रेफर कर दिया। जहां के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना होमगार्ड के डीएसपी को दी गई। जिसके बाद घोघरडीहा थाने की पुलिस ने मृत जवान के शव का पोस्टमार्टम के लिए भेजा। होमगार्ड के डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि जवान की मौत हृदय गति रुक जाने से होना प्रतीत हो रहा है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार कर रह है। इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी गयी। सूचना मिलने के बाद परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गौरतलब है कि देश में हार्ट अटैक से मौत के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, विशेषकर युवाओं में हार्ट अटैक के ज्यादात्तर मामले देखने को मिल रहा है। हर साल करीब 7 लाख भारतीय इससे जान गंवाते हैं। इसका प्रमुख कारण खराब जीवनशैली, तनाव, अनियंत्रित ब्लड प्रेशर, अनियंत्रित शुगर, और कोरोना के बाद जटिल प्रभाव हैं। आधे से अधिक मामले अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो जाते हैं।

पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के लिए नई गाइडलाइन जारी, प्रचार और मतदान में सख्ती

पटना । पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के लिए नई गाइडलाइन जारी की गई। प्रचार में प्रत्याशी और उनके चार समर्थक ही शामिल होंगे, पहचान पत्र अनिवार्य है, महिला कॉलेजों में अधिकतम पांच लोगों को ही प्रवेश मिलेगा। पटना विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के लिए नई गाइडलाइन जारी की गई हैं। अब प्रत्याशी और उनके केवल चार समर्थक ही प्रचार कर सकेंगे, और सभी के लिए संस्थागत परिचय पत्र अनिवार्य होगा। महिला कॉलेजों में प्रचार के लिए अधिकतम पांच लोगों को ही प्रवेश मिलेगा। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले प्रत्याशी की उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। प्रचार में शामिल सभी को केंद्रीय चुनाव कार्यालय से जारी परिचय पत्र साथ रखना अनिवार्य है। महिला और अन्य कॉलेजों में प्रचार के दौरान कुल पांच लोग ही प्रवेश कर सकेंगे। कुलपति व पीयू छात्र संघ मुख्य संरक्षक प्रो. नमिता सिंह ने कहा कि चुनाव को आदर्श और शांतिपूर्ण बनाने के लिए सभी स्तर से तैयारी की जा रही है। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. शंकर कुमार ने बताया कि मतदान के लिए पोलिंग बूथ की संख्या बढ़ाकर 41 कर दी गई है, जो पिछले वर्ग के 40 बूथ से अधिक है। चुनाव आचार संहिता को सख्ती से लागू करने के लिए पोस्टर, होर्डिंग और प्रतिबंधित प्रचार माध्यमों का उपयोग नहीं होगा। महिला महाविद्यालयों या अन्य संस्थानों में जमावड़ा या भीड़ से पैनिक स्थिति उत्पन्न करने पर तत्काल रिपोर्ट दी जाएगी। ऐसी स्थिति उत्पन्न करने वाले प्रत्याशी की उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। चुनाव को शांतिपूर्ण बनाने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति और कैंपस में तैनाती की जाएगी। बैठक में चुनाव संचालन समिति के सदस्यों को विभिन्न तकनीकी और संचालन संबंधी पहलुओं पर जानकारी दी गई।

पांच दिन में दूसरी बार बिहार दौरे पर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, दोनों डिप्टी सीएम ने किया स्वागत

एजेंसी। पटना

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पटना में पार्टी नेताओं ने भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि नितिन नवीन के आने से भाजपा कार्यकताओं में उत्साह की लहर है। वह दो दिन पटना में रहेंगे। इस दौरान कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पांच दिन में दूसरी बार बिहार दौरे पर पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर भाजपा के विधायकों, सांसदों और दिग्गज नेताओं, कार्याकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ता जय श्री राम और भाजपा माता के जयकारे लगाने लगे। वहीं दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। सम्राट चौधरी ने नितिन नवीन को अंग्र वस्त्र भेंट किया। भाजपा की ओर से बताया गया कि नितिन नवीन दो दिवसीय बिहार दौरे आएं हैं। वह दो दिन बिहार में रहेंगे। रविवार को खाजपुर शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पूजा करेंगे। नितिन दुग्धाभिषेक भी करेंगे। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। दीघा विधायक संजीव चौरसिया खुद से सारा इंतजाम देख रहे हैं। उनका कहना है कि इस साल महा शिवरात्रि खास होगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार नितिन नवीन खाजपुरा शिव मंदिर आ रहे हैं। शाम में महादेव की बारात निकाली जाएगी। भव्य झांकी के लिए खास तैयारी की गई है। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार भाजपा के लिए एक बार फिर से गर्व का विषय है। हमारे बीच से निकले कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर फिर से हम सबके बीच आए हैं। उनके आने से भाजपा कार्यकताओं में काफी उत्साह है। प्रधानमंत्री संगठन के तौर पर जिस व्यक्ति को बॉस मानते हों, वह संगठन को मजबूत करने का प्रयास करेंगे। नितिन नवीन ने बिहार में मंत्री पद पर रहते हुए काफी अच्छा काम किया। संगठन के तौर पर भी हमें अपने आप में गौरव महसूस हो रहा है। बिहार की जनता ने 200 से अधिक सीटें देकर बिहार में एनडीए की सरकार बनाई। उसका प्राइज नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देखना है।

नितिन नवीन दो दिवसीय बिहार दौरे आएं हैं

भाजपा की ओर से बताया गया कि नितिन नवीन दो दिवसीय बिहार दौरे आएं हैं। वह दो दिन बिहार में रहेंगे। रविवार को खाजपुर शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पूजा करेंगे। नितिन दुग्धाभिषेक भी करेंगे। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। दीघा विधायक संजीव चौरसिया खुद से सारा इंतजाम देख रहे हैं। उनका कहना है कि इस साल महा शिवरात्रि खास होगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार नितिन नवीन खाजपुरा शिव मंदिर आ रहे हैं। शाम में महादेव की बारात निकाली जाएगी। भव्य झांकी के लिए खास तैयारी की गई है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने क्या कहा?

वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार भाजपा के लिए एक बार फिर से गर्व का विषय है। हमारे बीच से निकले कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर फिर से हम सबके बीच आए हैं। उनके आने से भाजपा कार्यकताओं में काफी उत्साह है। प्रधानमंत्री संगठन के तौर पर जिस व्यक्ति को बॉस मानते हों, वह संगठन को मजबूत करने का प्रयास करेंगे। नितिन नवीन ने बिहार में मंत्री पद पर रहते हुए काफी अच्छा काम किया। संगठन के तौर पर भी हमें अपने आप में गौरव महसूस हो रहा है। बिहार की जनता ने 200 से अधिक सीटें देकर बिहार में एनडीए की सरकार बनाई। उसका प्राइज नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देखना है।

मुजफ्फरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 27 लाख की लूट और पॉक्सो एक्ट में वांटेड टॉप-10 अपराधी 'राजा' गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर जिले की पुलिस को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। अहियापुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने जिले के टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल शातिर बदमाश झामु कुमार उर्फ राजा को गिरफ्तार कर लिया है। राजा पर पूर्व विधायक के पेट्रोल पंप से लाखों की लूट समेत हत्या के प्रयास, मादक पदार्थों की तस्करी और पॉक्सो एक्ट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। शनिवार को सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने प्रेस वार्ता के दौरान इस गिरफ्तारी का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि अहियापुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक शातिर अपराधी चोरी के मोबाइल के साथ मुरादपुर दुल्ला इलाके में घूम रहा है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही अहियापुर थानाध्यक्ष रोहन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई, जिसमें घेराबंदी कर राजा को दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी का एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार झामु कुमार उर्फ राजा का आपराधिक इतिहास काफी पुराना और लंबा है। वह जिले के सबसे सक्रिय और खतरनाक अपराधियों में गिना जाता था। सबसे प्रमुख मामला पूर्व विधायक मुसाफिर पासवान के पेट्रोल पंप पर हुई 27 लाख रुपये की बड़ी लूट का है, जिसमें वह मुख्य आरोपी था। इसके अलावा, उस पर नाबालिगों के खिलाफ अपराध (पॉक्सो एक्ट) और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के तहत भी संगीन मुकदमे दर्ज हैं। वह कई बार जेल जा चुका है और पिछले लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था। सिटी एसपी ने बताया कि राजा की गिरफ्तारी से इलाके में सक्रिय अपराधियों के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। पुलिस अब आरोपी से जुड़े पुराने मामलों की फाइलों को दोबारा खंगाल रही है। उन्होंने कहा, "पूछताछ में राजा के गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में अहम सुराग मिले हैं। जरूरत पड़ने पर उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी ताकि लूट के अन्य मामलों और गिरोह के नेटवर्क का पदार्फाश हो सके।" फिलहाल पुलिस राजा के सहयोगियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

बिहार में घटिया सड़क निर्माण पर बड़ी कार्रवाई दरभंगा की कंपनी 10 साल के लिए ब्लैकलिस्ट

एजेंसी। पटना

सड़कों की गुणवत्ता से खिलवाड़ करने वाले ठेकेदारों पर अब सरकार ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। पथ निर्माण विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दरभंगा स्थित निर्माण कंपनी R.L. Choudhary Infratech Pvt. Ltd.को 10 वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। यह कार्रवाई गुणवत्ताविहीन सड़क निर्माण प्रमाणित होने के बाद की गई। घटिया सड़क निर्माण के बाद यह कार्रवाई की गयी है। पथ निर्माण मंत्री दिलीप जायसवाल ने कह दिया है कि ऐसे ठेकेदारों को चिन्हित किया जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दरभंगा पथ प्रमंडल अंतर्गत महात्मा गांधी कॉलेज से अलीनगर पीडब्ल्यूडी पथ, खर्गा सहनी चौक, परमेश्वर चौक होते हुए बेला दुर्गा मंदिर तक सड़क के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य में गंभीर अनियमितता सामने आई। जांच में पाया गया कि एक किलोमीटर हिस्से में कराए गए सीमेंट कंक्रीट पेवमेंट कार्य की गुणवत्ता मानकों से काफी कम है। तकनीकी जांच में सड़क की निर्धारित मजबूती 407.888 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर होनी चाहिए थी, जबकि वास्तविक मजबूती मात्र 166.828 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर पाई गई जो मानक के आधे से भी कम है । विभाग ने संवेदक से 16 मई 2025 और 4 जुलाई 2025 को स्पष्टीकरण मांगा। बाद में जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराते हुए 1 सितंबर 2025 को पुनः जवाब देने को कहा गया। संवेदक द्वारा 25 सितंबर 2025 को दिए गए उत्तर की जांच TTRI से कराई गई, जिसकी 10 दिसंबर 2025 की रिपोर्ट में भी निर्माण कार्य को गुणवत्ताविहीन बताया गया। समीक्षा के बाद संवेदक का स्पष्टीकरण अस्वीकार कर दिया गया। बिहार ठीकेदारी निबंधन नियमावली 2007 के नियम-11 (क) (ii) तथा विभागीय प्रावधानों के तहत कंपनी को आदेश की तिथि से अगले 10 वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। इस अवधि में कंपनी विभाग की किसी भी निविदा में भाग नहीं ले सकेगी।सरकार की इस कार्रवाई को घटिया निर्माण कार्य के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

वैलेंटाइन-डे का पटना में विरोध, गर्लफ्रेंड का हाथ छुड़वा बॉयफ्रेंड को थमाया गया हनुमान चालीसा

एजेंसी। पटना

प्रेम उत्सव का आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण दिन आज है। जिसे वैलेंटाइन डे कहते हैं, जो 14 फरवरी को मनाया जाता है। इस दिन प्रेमी युगल अपने प्यार का इजहार करते हैं। लेकिन बिहार की राजधानी पटना में प्यार के उत्सव का विरोध हो रहा है। हिंदू संगठन हिंदू शिव भवानी सेना के लोग इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। प्रेमी जोड़े को देखते ही गर्लफ्रेंड का हाथ छुड़वाकर बॉयफ्रेंड के हाथ में हनुमान चालीसा पकड़ा रहे हैं और यह कहते दिखे कि जहां मिलेंगे बाबू सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना... पटना बुद्धा स्मृति पार्क में प्रेमी जोड़ों के बीच हनुमान चालीसा बांटी गई। कई जोड़े ऐसे थे जिनसे प्रेमिका हाथ छुड़वाकर प्रेमी को हनुमान चालीसा दिया गया। इनका कहना था कि भारत की संस्कृति में वैलेंटाइन का कहीं भी जिक्र नहीं है। वैलेंटाइन डे के नाम पर लोग अश्लीलता फैलाने का काम करते हैं। यदि किसी ने ऐसा करने की कोशिश की तो हम उसका विरोध करेंगे। कोई अश्लील हरकत करेगा और हम चुप बैठेंगे ऐसा हो ही नहीं सकता। हिंदू शिव भवानी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष लव कुमार शिव रुद्र का कहना था कि समाज में लव जिहाद फैलाने की कोशिश होगी तो हम जवाब देंगे। हमारी नजर पटना के विभिन्न पार्कों और बिहार के सभी सार्वजनिक स्थानों पर है। हर जगह हमारे कार्यकर्ता जा रहे हैं और प्रेमी जोड़ों के बीच हनुमान चालीसा बांट रहे हैं। उन्हें हनुमान चालिसा पढ़ने को कह रहे हैं, अश्लीलता फैलाने से मना कर रहे हैं। यह भी जगह-जगह पोस्टर लगाकर यह चेतावनी दे रहे हैं कि जहां मिलेंगे बाबू सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना। उनका कहना है कि इस दिन को बाबू सोना के लिए नहीं बल्कि पुलवामा में शहीद हुए शहीदों को नमन दिवस के रूप में मनाए। वही पटना में लगे पोस्टरों के बाद पुलिस अलर्ट है। पुलिस पदाधिकारियों का साफ कहना है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले और लोगों को डराने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाश सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को कानून अपने हाथ में लेने की इजाजद नहीं दी जाएगी। सार्वजनिक स्थल पर कोई किसी को परेशान नहीं कर सकता। ऐसा करते पकड़े गये तो खुद पुलिस कार्रवाई करेगी।

पटना मेट्रो अब दूसरी पारी में दौड़ने के लिए है तैयार : मलाही पकड़ी से भूतनाथ तक सफल ट्रायल

एजेंसी। पटना

बिहार विधान सभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में मेट्रो की शुरूआत की थी। पहले चरण में मेट्रो भूतनाथ से बैरिया तक शुरू किया गया, और अब दूसरे चरण में मलाही पकड़ी से भूतनाथ तक भी शुरूआत होने जा रही है। पटना मेट्रो अब दूसरी पारी खेलने के लिए तैयार है। पटना मेट्रो के दूसरे चरण की तैयारी पूरी हो चुकी है। अब बहुत जल्द मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी, क्यों कि मेट्रो के ईआईजी आनंद कुमार ने मलाही पकड़ी से भूतनाथ तक मेट्रो शुरू करने के पहले कैटेनरी रखरखाव वाहन के माध्यम से ओवरहेड उपकरण का गहन निरीक्षण किया। मेट्रो के अधिकारियों का कहना है कि पटना मेट्रो के दूसरे फेज के मेट्रो परिचालन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। बताया जाता है कि ईआईजी आनंद कुमार की देखरेख में हुए इस निरीक्षण के बाद अब जल्द ही इस खंड पर मेट्रो परिचालन की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।इस संबंध में मेट्रो के अधिकारियों का कहना है कि इन महत्वपूर्ण निरीक्षणों के पूरा होने के साथ, हम प्राथमिकता कॉरिडोर के मलाही पकड़ी खंड को जल्द ही खोलने के एक कदम और करीब हैं। मेट्रो लोगों की सेवा के लिए तेजी से आगे बढ़ रही है, जिससे आने वाला समय बेहद रोमांचक होने वाला है। प्रतीक्षा लगभग समाप्त हुई। अब मलाही पकड़ी से भूतनाथ तक मेट्रो बहुत जल्द शुरू हो जाएगा, जिससे पटना वासियों को जाम से काफी हद तक मुक्ति मिल जाएगी।इसके अलावे शहर के सबसे व्यस्ततम इलाके पटना जंक्शन के पास मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है। निर्माण एजेंसी का कहना है कि आने वाले समय में आमलोगों को जैम की समस्याओं से जूझना नहीं पड़ेगा। इस संबंध में मेट्रो प्रशासन ने यह स्वीकार किया है कि पटना जंक्शन जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में काम होने के कारण आम लोगों और स्थानीय दुकानदारों को आवाजाही में अस्थायी असुविधा हो रही है। लेकिन आज की थोड़ी असुविधा, जीवनभर के आराम के लिए है। इस संबंध में परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह बड़ा बदलाव पटना की सूरत बदल देगा।

बिजली व्यवस्था और सुरक्षा मानकों की सफल जांच

इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर जनरल जगदीश कुमार के नेतृत्व में टीम ने मलाही पकड़ी सब-स्टेशन और ओएचई (ओवरहेड तारों) की बारीकी से टेस्टिंग की। इस दौरान इंटरलॉकिंग सिस्टम, अर्थिंग क्षमता, रिले और सिग्नल से जुड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को परखा गया। जांच में सभी पैरामीटर सुरक्षा मानकों पर खरे उतरे हैं, जो मेट्रो चलाने की दिशा में एक बड़ी तकनीकी जीत है।

पैसे के विवाद में रिटायर्ड फौजी ने किया जानलेवा हमला, बाल-बाल बचे बाप-बेटे

एजेंसी/वैशाली

वैशाली में एक रिटायर्ड फौजी ने पैसे के लेनदेन के विवाद को लेकर अपने पड़ोसी और उसके बेटे पर जानलेवा हमला कर दिया। फौजी ने बंदूक से कई राउंड फायरिंग की, जिसमें पिता-पुत्र बाल-बाल बच गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी फौजी और उसके एक भाई को गिरफ्तार कर बंदूक जब्त कर ली है। पीड़ित रणधीर कुमार सिंह ने बताया कि रिटायर्ड फौजी बृजेश कुमार सिंह ने पांच साल पहले उनके पिताजी से पैसे लिए थे, जो लौटा दिए गए थे। इसके बावजूद फौजी उनसे 4 लाख रुपए की मांग कर रहा था। रुपए न देने पर बृजेश सिंह ने उनके घर पर चढ़कर फायरिंग की, घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और लूटपाट भी की। डीएसपी गोपाल मंडल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह मामला सराय थाना क्षेत्र के बोअरिया गांव का है। रिटायर्ड फौजी बृजेश सिंह का ग्रामीण रणधीर कुमार सिंह से रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद था। इसी विवाद के चलते बृजेश सिंह ने अपने दोनों भाइयों की मदद से रणधीर कुमार सिंह और उनके बेटे पर जानलेवा हमला किया। डीएसपी के अनुसार, रिटायर्ड फौजी ने जान से मारने की नीयत से तीन-चार राउंड फायरिंग की थी। हालांकि, संयोगवश गोली पिता-पुत्र को नहीं लगी और वे सुरक्षित बच गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रिटायर्ड फौजी बृजेश सिंह और उसके एक भाई को गिरफ्तार कर लिया।